हिंदी (कक्षा - पाँचवी)

सीखने के प्रतिफल	*संसाधन (सभी सप्ताहों की गतिविधियों के लिए प्रस्तावित)*	*प्रस्तावित गतिविधियाँ (बच्चे इन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
बच्चे - ● सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकलते हैं। ● अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं। ● अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, पोस्टर आदि) को समझते हुए पढ़ते हैं, उसके बारे में बताते हैं। ● अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं, कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। ● स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं।	एनसीईआरटी या राज्य द्वारा बनाई गई पाठ्यपुस्तकें, घर में उपलब्ध पढ़ने-लिखने की सामग्री, अन्य दृश्य-श्रव्य सामग्री (इंटरनेट, वेबसाइट,रेडियो,टीवी आदि)	**सप्ताह -1** ***तरह-तरह की रचनाएँ सुनना/पढ़ना/लिखना*** 1. बच्चे अपनी पसंद और स्तर के अनुसार अलग-अलग प्रकार के माध्यमों (रेडियो, टीवी, मोबाइल, अखबार, पत्रिका आदि) से विभिन्न प्रकार की रचनाएँ सुनकर अपने घर के सदस्यों से चर्चा कर सकते हैं, जैसे- बारिश का न थमना, किसी कवि सम्मेलन में पढ़ी गई कविताएँ, बच्चों का घर में कैद हो जाना, परिंदों का पिंजरे की कैद से बाहर निकलना आदि। बड़ों से यह भी कह सकते हैं कि वे अपने ज़माने की कोई कहानी, गीत सुनाएँ। 2. अपने मन से कोई कहानी, कविता लिखना, उन्हें आगे बढ़ाना आदि। 3. बच्चे अपनी रुचि, विषय, अनुभव और स्तर के अनुसार कहानी, कविता, गीत आदि की रचना कर सकते हैं। बच्चे अपनी कहानी की किताब भी बना सकते हैं। कविताओं का संकलन बना सकते हैं। बच्चों के सृजनात्मक लेखन का संकलन करते हुए अपने स्कूल की बाल पत्रिका, स्कूल की भित्ति पत्रिका (स्कूल वॉल मैगज़ीन) का निर्माण किया जा सकता है। ***प्रश्न-पत्र/प्रश्नों का निर्माण*** पढ़ी/सुनी रचनाओं के आधार पर तरह-तरह के सवाल बना सकते हैं। बच्चों से यह भी कहा जा सकता है कि वे उन प्रश्नों का निर्माण करें जो वे चाहते हैं कि उनसे परीक्षा में पूछे जाएँ या वे अपना प्रश्न पत्र स्वयं बनाएँ और उसे हल भी करें।

• उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।		
• सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/ अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। • विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।		**सप्ताह -2** ***पुस्तक-समीक्षा (मौखिक और लिखित)*** बच्चों से यह कहा जा सकता है कि वे अपनी किसी कहानी की किताब, पाठ्य-पुस्तक (जो आपने अभी हल ही में पढ़ी हो, पिछले वर्ष पढ़ी हो) के बारे में बताएँ कि उन्हें क्या पसंद आया और क्या पसंद नहीं आया और क्यों? बच्चे यह भी बताएँ कि वे अपनी पाठ्य-पुस्तक में क्या बदलाव चाहते हैं , क्या शामिल करना चाहते हैं? बच्चों को यह स्वतंत्रता दी जाए कि वे यह काम मौखिक या लिखित रूप से यानी बोलकर या लिखकर बता सकते हैं।
• भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं, कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। • उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।		**सप्ताह -3** ***भाषा के बारीकियों की पहचान करना और उसका प्रयोग करना -*** स्तरानुसार सुनी या पढ़ी हुई भाषा सामग्री यानी कहानी, कविता, अनुभव, साक्षात्कार आदि की भाषा की बारीकियों पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करने, उनकी सराहना करने, उनका प्रयोग करने के लिए सुझाव के तौर पर निम्नलिखित कार्य किए जा सकते हैं - • सुनी या पढ़ी हुई रचना में से ऐसे अंश चुनने के लिए कहा जा सकता है जो उन्हें बहुत पसंद आए। • पढ़ी हुई रचना में से हिंदी भाषा की व्याकरणिक इकाइयों की पहचान, सराहना और प्रयोग करना, जैसे - किसी कहानी में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, विराम-चिह्न, मुहावरे, लोकोक्तियों आदि की पहचान करना और स्वयं भी उनका प्रयोग करके देखना। उदहारण के लिए- एनसीईआरटी के हिंदी की पाठ्य-पुस्तक 'रिमझिम' कक्षा 5 में पाठ 4 'नन्हा फ़नकार' का यह अंश -

		'एक अनाड़ी-से वयस्क पर अपने काम की **धाक जमाने** में उसे मज़ा आ रहा था। वह बड़े ध्यान से देख रहा था कि अकबर किस तरह **लकीरों को उकेर रहे हैं।** बादशाह से ज़रा-सी **चूक हो जाने** पर उसकी **त्यौरियाँ चढ़ जातीं।** काम करते-करते अकबर पूछ बैठते, "केशव, सही नहीं है क्या?" और केशव सर हिलाकर अपनी असहमति जता देता। इस अंश में चिह्नित अंशों की भाषा के बारे में बात की जा सकती है - ● *धाक जमाने, लकीरों को उकेरने, चूक हो जाने, त्यौरियाँ चढ़ जाने, जता देने*'का क्या मतलब है? ● क्या यही बातें किसी और तरीके से कही जा सकती हैं? ● इस अंश में संज्ञा और क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए। ● 'काम करते-करते अकबर पूछ बैठते...' वाक्य में 'करते-करते' का प्रयोग हुआ है। 'करते-करते' शब्द युग्म है यानी एक शब्द का एक साथ दो बार प्रयोग करना। 'करते-करते' और 'करते' के भाषा-प्रयोग में क्या अंतर है? आप किन स्थितियों में 'करते-करते' का प्रयोग करेंगे? बताइए/लिखिए। ● अपनी किताब में से ऐसे अंश छाँटकर लिखिए जहाँ शब्द - युग्म का प्रयोग हुआ हो।
● स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं। ● विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे - पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।		**सप्ताह -4** ***कैलेंडर भरना/डायरी लिखना*** बच्चों से कहा जा सकता है कि वे अपने घर में टंगे कैलेंडर या डायरी में प्रतिदिन यह लिखें कि उन्होंने पूरे दिन में क्या ख़ास काम किया, उन्हें आज क्या अच्छा लगा, उन्होंने बड़ों के काम में कैसे हाथ बँटाया आदि।

****ऑनलाइन सामग्री का प्रयोग** - NCERT की websites, NROER, ई-पाठशाला तथा और भी अनेक websites हैं जहाँ बच्चों के लिए पढने-लिखने की सामग्री है| बच्चों से कहा जा सकता है कि वे उनका उपयोग करें| उन्हें देखें, सुने, पढ़ें और ज़रूरत व उद्देश्य के अनुसार लिखें| उदहारण के लिए एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित बाल पत्रिका' *फिरकी बच्चों की*) 'हिंदी और इंग्लिश में -द्विभाषिक(, क्रमिक पुस्तकमाला' बरखा) 'हिंदी, उर्दू, संस्कृत में(, पोस्टर्स)हिंदी, इंग्लिश में (, पोस्टर्स का इस्तेमाल करने के दिशा-निर्देश) हिंदी, इंग्लिश में(, हिंदी की पाठ्य-पुस्तक' रिमझिम 'के ऑडियो-वीडियो कार्यक्रम देखे जा सकते हैं| इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्तर के लिए चयनित बाल साहित्य की सूची) हिंदी, इंग्लिश और 15-2014में उर्दू भी (भी देखी जा सकती है जिससे बच्चे उन किताबों को पढ़ सकते हैं| बाल साहित्य की सूची में किताब का शीर्षक, लेखक, प्रकाशक, वर्ष आदि दिए गए हैं| बच्चे अपनी लिखी हुई कहानियाँ, कविताएँ ,अनुभव, चित्र आदि एनसीईआरटी को भेज सकते हैं जिनमें से चयनित रचनाओं /कामों को एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित बाल पत्रिका' *फिरकी बच्चों की*) 'हिंदी और इंग्लिश में (में प्रकाशित किया जा सकता है|

कुछ लिंक इस तरह से हैं –

1. बरखा क्रमिक पुस्तक माला – विशेष रूप से कक्षा एक और दो के बच्चों के लिए जिसमें चार स्तरों की बच्चों की मनपसंद 40 कहानियाँ हैं|
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/Barkha.html
2. बाल पत्रिका 'फिरकी बच्चों की' (द्विभाषिक पत्रिका –हिंदी और इंग्लिश में)
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/firkee.html
3. बच्चों के लिए हिंदी और इंग्लिश में पोस्टर्स)कहानी ,कविता के और कुछ चित्रात्मक(
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/12poster1_6_16.pdf
4. पोस्टर्स का इस्तेमाल कैसे करें –कुछ सुझाव
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Posterguidelines.pdf
5. प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढने का आनंद देने वाला, रोचल बाल साहित्य की सूची (इंग्लिश-2013-14)
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/DDE(eng).pdf
6. प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढने का आनंद देने वाला, रोचल बाल साहित्य की सूची (हिंदी-2013-14)
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/DDE(pp).pdf
7. प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढने का आनंद देने वाला, रोचल बाल साहित्य की सूची (इंग्लिश-2012-13)
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/list%20Eng.pdf
8. प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढने का आनंद देने वाला, रोचल बाल साहित्य की सूची (इंग्लिश- 2008)
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Slctd_BEng.pdf
9. प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढने का आनंद देने वाला, रोचल बाल साहित्य की सूची (हिंदी - 2008)
   http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Slctd_BHindi.pdf

विषय– भाषा (हिंदी) कक्षा 5

सीखने के प्रतिफल	*संसाधन (सभी सप्ताहों की गतिविधियों के लिए प्रस्तावित)*	*प्रस्तावित गतिविधियाँ (बच्चे इन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
बच्चे • सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषयवस्तु, घटनाओं, पात्रों, चित्रों और पात्रों शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं। अपनी बात के लिए तर्क देते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं। • अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं। • विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए पढ़ते और लिखते हैं।	**एनसीईआरटी या राज्य द्वारा बनाई गई पाठ्यपुस्तकें** घर में उपलब्ध पढ़ने-लिखने की सामग्री अन्य दृश्य- श्रव्य सामग्री, जैसे– इंटरनेट, वेबसाइट, रेडियो, टीवी आदि	**सप्ताह 5** • बच्चों से कहें कि वे किसी गीत को कई भाषाओं में सीखकर गाएँ, गुनगुनाएँ। • बच्चे अपने पड़ोसी राज्यों में कोरोना महामारी के फैलाव को रिकॉर्ड कर सकते हैं। अन्य महामारियों के बारे में भी अभिभावक, बच्चों से चर्चा कर सकते हैं। सरकार द्वारा कोरोना बीमारी से बचाव के लिए उठाए गए कदमों पर बच्चों से चर्चा की जा सकती है। **सप्ताह 6** • लॉकडाउन में स्कूल के लंबे समय तक बंद रहने के कारण क्या-क्या परिवर्तन होंगे, इस पर बच्चों से चर्चा की जा सकती है। • विभिन्न लोगों को लॉकडाउन के दौरान होने वाली परेशानियों को बच्चे अपने शब्दों मे लिख सकते हैं और इन्हें मौखिक रूप भी दे सकते हैं। **सप्ताह 7** • बच्चे अपनी पसंद के विषय, अनुभव के अनुसार कहानी, कविता, गीत आदि की रचना कर सकते हैं। • बच्चे अपने द्वारा लिखी गई कहानी/कविता को नंदन, चंपक और सुमन सौरव जैसी बाल पत्रिकाओं में प्रकाशित करवा सकते हैं। **सप्ताह 8** अभिभावकों द्वारा उनके विभिन्न अनुभवों को मौखिक एवं लिखित रूप में लिया जा सकता है, जैसे– • आप विद्यालय में क्या बदलाव चाहते हैं? • पाँच खिलाड़ी क्रिकेट कैसे खेलेंगे? • कोरोना महामारी से बचाव के लिए विभिन्न देश क्या-क्या कर रहे हैं?

• अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बतातें हैं। • स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं। • अपने आस-पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रुप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। • उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।		• ज़्यादा आबादी होने के क्या-क्या नुकसान हैं? इस विषय पर बच्चों से बातचीत भी की जा सकती है। अभिभावक इसी प्रकार अन्य प्रश्न भी जोड़ सकते हैं। **सप्ताह 9** • अभिभावक स्वयं चार-पाँच शब्दों की सूची बच्चों को लिखकर दें, बच्चे इन्हें जोड़ते हुए लिखित रूप में एक कहानी का निर्माण करेंगे। • बच्चों से विभिन्न विषयों पर कविता बनाने के लिए भी कहा जा सकता है। **सप्ताह 10** • बच्चों से बीते दिनों में पढ़ी गई अंग्रेज़ी की कहानी को हिंदी में लिखने के लिए कहें। • लिखी गई कहानी में बच्चा अपने अनुसार क्या बदलाव चाहता है, उसे बच्चों से लिखने के लिए कहें। **सप्ताह 11** • अपनी आस-पास की विभिन्न कलाओं के बारे में परिवार से चर्चा करें। • विभिन्न जानवरों को दिखाते हुए बच्चे अपनी देशज शैली में चित्र बनाएँ। • कौन-सी शैली के चित्र अपको पसंद है? • अपनी मनपसंद शैली बारे में जानकारी इकट्ठा करें एवं अपने परिवार के सदस्यों से इस बारे में चर्चा करें। **सप्ताह 12** • अपनी पाठ्यपुस्तक में से प्रतिदिन पाँच शब्दों का चयन करें, इन शब्दों का अर्थ अंग्रेज़ी शब्दकोश से ढूँढ़ें। • बच्चे प्रतिदिन अपनी एक छोटी डायरी में अपने कामों को लिखेंगे। • अभिभावक बच्चे की मदद करें कि वे एक-एक शब्द का अर्थ लिखकर अपना छोटा-सा शब्दकोश बनाएँ। चाहें तो इस • शब्दकोश में चित्र भी बना सकते हैं।

**ऑनलाइन सामग्री का प्रयोग

एनसीईआरटी की वेबसाइट, एनआरओईआर, ई-पाठशाला तथा और भी अनेक वेबसाइट है, जहाँ बच्चों के पढ़ने-लिखने की सामग्री है। बच्चों से कहा जा सकता है कि वे उनका उपयोग करें, उन्हें देखें, सुने, पढ़ें और ज़रूरत व उद्देश्य के अनुसार लिखें। उदहारण के लिए एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित बालपत्रिका '*फिरकी बच्चों की*' (द्विभाषिक हिंदी और अंग्रेज़ी), क्रमिक पुस्तकमाला 'बरखा' (हिंदी, उर्दू, संस्कृत में), पोस्टर (हिंदी, अंग्रेज़ी में), पोस्टर का इस्तेमाल करने के दिशानिर्देश (हिंदी, अंग्रेज़ी में), हिंदी की पाठ्यपुस्तक 'रिमझिम' के ऑडियो-वीडियो कार्यक्रम देखे जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्तर के लिए चयनित बाल साहित्य की सूची (हिंदी, अंग्रेज़ी और 2014–15 में उर्दू) भी देखी जा सकती है, जिससे बच्चे उन किताबों को पढ़ सकते हैं। बाल साहित्य की सूची में किताब का शीर्षक, लेखक, प्रकाशक, वर्ष आदि दिए गए हैं। बच्चे अपनी लिखी हुई कहानियाँ, कविताएँ, अनुभव, चित्र आदि एनसीईआरटी को भेज सकते हैं, जिनमें से चयनित रचनाओं को एनसीईआरटी द्वारा बालपत्रिका '*फिरकी बच्चों की*' (हिंदी और अंग्रेज़ी द्विभाषिक) में प्रकाशित किया जा सकता है।

कुछ लिंक दिए जा रहे हैं–

- 'बरखा' क्रमिक पुस्तकमाला विशेष रूप से कक्षा एक और दो के बच्चों के लिए, जिसमें चार स्तरों पर बच्चों की मनपसंद 40 कहानियाँ हैं।
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/Barkha.html

- बालपत्रिका '*फिरकी बच्चों की*' (द्विभाषिक हिंदी और अंग्रेज़ी)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/firkee.html

- बच्चों के लिए हिंदी और अंग्रेज़ी में पोस्टर (कुछ कहानी के, कविता के और कुछ चित्रात्मक)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/12poster1_6_16.pdf

- पोस्टर का इस्तेमाल कैसे करें, कुछ सुझाव–
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Posterguidelines.pdf

- प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढ़ने का आनंद देने वाले रोचक बाल साहित्य की सूची (अंग्रेज़ी 2013–14)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/DDE(eng).pdf

- प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढ़ने का आनंद देने वाले रोचक बाल साहित्य की सूची (हिंदी 2013–14)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/DDE(pp).pdf

- प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढ़ने का आनंद देने वाले रोचक बाल साहित्य की सूची (अंग्रेज़ी 2012–13)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/list%20Eng.pdf

- प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढ़ने का आनंद देने वाले रोचक बाल साहित्य की सूची (अंग्रेज़ी 2008)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Slctd_BEng.pdf

- प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पढ़ने का आनंद देने वाले रोचक बाल साहित्य की सूची (हिंदी 2008)
  http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/pdf/Slctd_BHindi.pdf

S. No.	Activity	Link
1.	Aao naksha padhe	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d258bbe16b51c0173cdb711 retrieved on 20/12/2019
2.	Anita ki Madhumakkhiyan (shahad ki kahani)	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f37b516b51c0164772bc8 retrieved on 20/12/2019
3.	Anita ki Madhumakkhiyan (vyavsaay)	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1eefc416b51c0164772764 retrieved on 20/12/2019
4.	Badal aaye baarish laye	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1ef5aa16b51c016225de04 retrieved on 20/12/2019
5.	Bade Chalo	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d23349e16b51c01732f8184 retrieved on 20/12/2019
6.	Boond Boond se	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d231b1c16b51c01732f7e7f retrieved on 20/12/2019
7.	Chale Rasoi Ghar	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/page/5d22e4d416b51c01732f7b4f retrieved on 20/12/2019
8.	Chhoti Si jeebh par kaam hai bade	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d22d1e416b51c01725580ff retrieved on 20/12/2019
9.	Cylinder lo magar dhyan se	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d230fe116b51c01725581dd retrieved on 20/12/2019
10.	Gas Cylinder Raseed	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d23054c16b51c01732f7df5 retrieved on 20/12/2019
11.	Dadi ki rasoi se	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1efb1116b51c016313bfa3 retrieved on 20/12/2019
12.	Desh ka Gaurav	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d23136316b51c01732f7e57 retrieved on 20/12/2019
13.	Hathi- jigsaw paheli	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f368b16b51c0164772bbd retrieved on 20/12/2019
14.	Ghar me aam	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d232e9b16b51c017255829e retrieved on 20/12/2019
15.	Kahan se aya aya kisne pakaya (bhojan prakriya)	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d22d32716b51c01732f7abd retrieved on 20/12/2019
16.	Khaye aam barah mahine	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f325516b51c016225de49 retrieved on 20/12/2019
17.	Kilometer ya meter	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d23337916b51c01732f8154

		retrieved on 20/12/2019
18.	Kiski chhap	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5e4a396d16b51c016373500c retrived on 27/02/2020
19.	Kya kya khate hum	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d22dc3116b51c01732f7b1a retrieved on 20/12/2019
20.	Ntriya shayli	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5e4a382e16b51c016259a1ee retrieved on 27/02/2020
21.	Pani pani pani	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5e4a2ad616b51c016259a1a9 retrieved on 27/02/2020
22.	Patro ki yatra	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d232bfa16b51c01732f8054 retrieved on 20/12/2019
23.	Phool khile hai Gulshan Gulshan	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f0f3e16b51c016477290a retrieved on 20/12/2019
24.	Phulwari	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f11e416b51c016313bfca retrieved on 20/12/2019
25.	Pahuchaye saman yahan se vahan	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d23230516b51c01732f7f8c retrieved on 20/12/2019
26.	Railway samay sarini	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d2329b016b51c01732f804e retrieved on 20/12/2019
27.	Rajiv Gandi khel paruskar	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f134d16b51c0164772936 retrieved on 20/12/2019
28.	Daya-baya	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d230dcf16b51c01732f7e2c retrieved on 20/12/2019
29.	Samay badal gya	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/page/5d1f14ec16b51c016477294b retrieved on 20/12/2019
30.	Savdhani hi suraksha	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/page/5d23098116b51c01725581d4 retrieved on 20/12/2019
31.	Swad swad me	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d232fff16b51c01725582b0 retrieved on 20/12/2019
32.	Whose print	https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/5d1f1a0c16b51c016477296f retrieved on 20/12/2019